लक्ष्मी जी की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।

तुमको निशदिन सेवत, मैया जी को निशदिन सेवत हरि विष्णु विधाता ॥

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता ।

सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

दुर्गा रूप निरंजनी, सुख सम्पत्ति दाता ।

जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ॥

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता ।

कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

जिस घर में तुम रहतीं, सब सद्गुण आता ।

सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता ।

खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

शुभ-गुण मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।

रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई नर गाता ।

उर आनन्द समाता, पाप उत्तर जाता ॥

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।

तुमको निशदिन सेवत, मैया जी को निशदिन सेवत हरि विष्णु विधाता ॥

॥ ॐ जय लक्ष्मी माता... ॥